पां डु लि पि

[देवेश ठाकुर के व्यक्तित्व-कृतित्व का मूल्यांकन]

सम्पादक :
डॉ० ब्रह्मदेव मिश्र
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, गोवा विश्वविद्यालय,
गोवा.

© संकल्प प्रकाशन, बम्बई

प्रथम संस्करण : जून, 1993

प्रकाशक :

संकल्प प्रकाशन

ए—34, बिल्वकुंज, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग,
मुलुंड [पश्चिम], बम्बई—400082.

मुद्रक : देवलोक प्रेस, सूरज कुण्ड रोड, मेरठ।
फोन : 77231

मूल्य : 180 रुपये मात्र

'PANDULIPI' (CRITICISM) EDITED by Dr. Brahmadev Mishra.
Price : Rs. 180/-only

अनुक्रम

पृष्ठ

व्यक्ति और व्यक्तित्व

1. एक और देवेश : सुदेश कुमार 3
2. देवेश : मेरा सहयोगी और सहभोगी : दिनेश कुकरेती 12
3. सर—जैसा मैंने उनको जाना : डॉ० रोहिणी शिवबालन 27
4. मित्रों के जंगल में एक वृक्ष देवदारु का : जितेंद्र सिंह 37
5. देबू : एक बिगड़ैल पति लेकिन जिम्मेदार गृहस्थ : सुशीला ठाकुर 46

कृतित्व और मूल्यांकन

6. भ्रम-भंग : कथ्य और शिल्प : डॉ० हनुमंत नायडू 55
7. संघर्षों के बीच मानवीय आस्था का स्वर : भ्रम-भंग : डॉ० शरेशचंद्र चुलकीमठ 63
8. भ्रम-भंग : कुछ टिप्पणियाँ : 73
   —से० रा० यात्री
   —डॉ० सरजू प्रसाद मिश्र
   —क्षितिज
   —डॉ० विवेकी राय
9. प्रिय शबनम् : लेखकीय दृष्टि : डॉ० भानुदेव शुक्ल 83
10. प्रिय शबनम् : मध्यवर्गीय बुद्धिजीवी की एक अनूठी गाथा : डॉ० शंकर पुणताम्बेकर 89
11. फासलों और फसीलों की कहानी : प्रिय शबनम् : डॉ० शशिप्रभा शास्त्री 104
12. कांचघर—महानगरीय संवेदनहीन एवं यांत्रिक संसार का प्रामाणिक दस्तावेज : डॉ० कमल किशोर गोयनका 116
13. कांचघर—प्रयोग, प्रासंगिकता और सार्थकता : डॉ० रत्नलाल शर्मा 128
14. इसीलिए—संयोग एवं फार्मूले से अर्जित शाश्वत सत्य : डॉ० ओम प्रकाश त्रिपाठी 139
15. व्यक्तित्व की सार्थकता का दिशा संकेत—इसीलिए : अवधेश कुमार राय 145
16. प्रासंगिक कथ्य और शिल्प की प्रस्तुति—अपना-अपना आकाश : मोहनदास सुर्लकर 153
17. शून्य से शून्य तक की यात्रा की त्रासदी—शून्य से शिखर तक : प्रो० राजम नटराजन 159

		पृष्ठ
18.	छद्म रचनाधर्मियों का खाका—शून्य से शिखर तक : डॉ० सतीश पांडेय	167
19.	गुरुकुल—शिक्षा व्यवस्था का समाधि-लेख : डॉ० चंद्रेश्वर कर्ण	176
20.	गुरुकुल:···अरु घाव करे गम्भीर : डॉ० श्रवण कुमार गोस्वामी	186
21.	जनगाथा—जनवादी परम्परा की सार्थक कृति : प्रा० सुमंगल मुम्मिगट्टी	194
22.	त्रासद स्थितियों के बीच उभरी स्पष्ट दृष्टि की साहसिक कृति—जनगाथा : डॉ० ब्रह्मदेव मिश्र	202
23.	समसामयिक नागरी स्त्री-पुरुष संबंधों की यथार्थ प्रस्तुति—अन्तत : डॉ० रवीन्द्रनाथ मिश्र	214
24.	मध्यवर्गीय यथार्थ जीवन की झाँकी—सिर्फ संवाद : कु० शिल्पा बाले	224
25.	साहित्य—चिंतन और समीक्षा-दृष्टि : डॉ० नंदलाल यादव	232
26.	शोध विवेचन और डॉ० देवेश की शोध प्रक्रिया : डॉ० अरुणा दुबलिश	255
27.	उपन्यासों में व्यवस्था विरोध : डॉ० गंगा प्रसाद विमल	274
28.	उपन्यासों में राजनीतिक वस्तुस्थिति का निरूपण : डॉ० आत्माराम ना० दाभिलकर	282
29.	उपन्यासों में प्रयोगधर्मिता का स्वरूप : डॉ० कमल चौरसिया	294
30.	उपन्यासों में भाषा का स्वरूप : कु० संगीता व्यास	302
31.	प्रारम्भिक कविताएँ और बाल-साहित्य : डॉ० शिवशंकर पांडेय	319
32.	देवेश भाई—अवकाश के क्षणों में : सुरेंद्र कुमार पाल	328
	परिशिष्ट–1 : देवेश ठाकुर : संक्षिप्त परिचय	336
	परिशिष्ट–2 : देवेश ठाकुर के अब तक प्रकाशित ग्रन्थ	338
	परिशिष्ट–3 : देवेश ठाकुर के व्यक्तित्व-कृतित्व पर प्रकाशित ग्रन्थ	339
	परिशिष्ट–4 : देवेश ठाकुर के व्यक्तित्व-कतित्व पर किया गया शोध कार्य	339
	परिशिष्ट–5 : सम्पर्क-सूत्र	340